हन्ना का रास्ता
लिंडा ग्लासेस

हन्ना का रास्ता

लिंडा ग्लासेस

“इस शनिवार हमारा क्लास पिकनिक पर जायेगा," मिस हार्टले ने सभी को याद दिलाया.

हन्ना का दिल धड़कने लगा. क्लास की पिकनिक! शायद फिर उसके कुछ दोस्त बनें.

"हमने ग्रोव पार्क में एक स्थान आरक्षित किया है," उसकी टीचर ने जारी रखा, "अगर किसी को सवारी की ज़रुरत हो मुझे बताएं."

हन्ना का चेहरा मुरझा गया. सवारी? वो भी शनिवार को?

मिनियापोलिस के दोस्त हन्ना की दुविधा समझते. लेकिन यहाँ उत्तरी मिनेसोटा में कोई भी उसकी मुश्किल नहीं समझेगा. क्योंकि इस पूरे स्कूल में कोई अन्य यहूदी छात्र नहीं था.

हन्ना ने सोचा काश पापा ने अपनी नौकरी नहीं खोई होती. काश अंकल मैक्स ने पापा से उनके आयरन रेंज वाले जनरल स्टोर में काम करने के लिए नहीं कहा होता. काश वो अपने सभी दोस्तों से इतनी दूर न होती.

उस रात सोने से पहले, उसने अपने माता-पिता को पिकनिक के बारे में बताया, "क्या मैं जा सकती हूँ?"

"हन्ना," माँ की आँखों में अस्वीकृति थी, "शनिवार के दिन कार में सवारी?"

"केवल इस बार?" हन्ना ने भीख माँगी.

पापा की आवाज शांत लेकिन दृढ़ थी. "तुम जानती हो कि शनिवार वाला दिन हमारे लिए आराम का दिन होता है. हम लोग सैबथ (शनिवार) के दिन काम या गाड़ी नहीं चलाते हैं."

फिर हन्ना अपने बिस्तर पर लेटकर रोने लगी. नए स्कूल में कोई दोस्त न होना उसके लिए काफी कठिन था. और अब वो पिकनिक पर भी नहीं जा सकती थी.
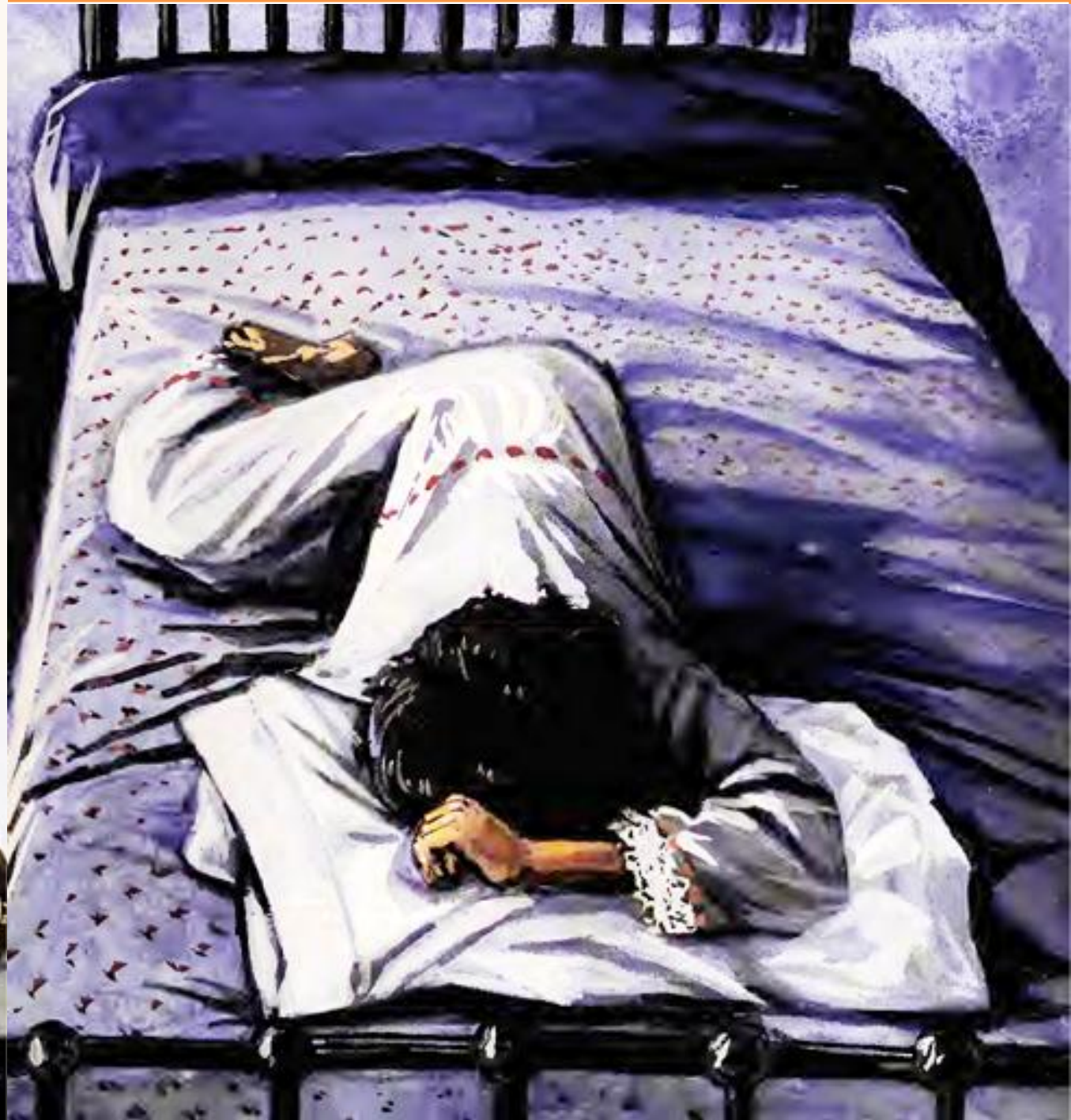
अगले दिन स्पेलिंग सीखने के दौरान, हन्ना ने अपने सहपाठियों की ओर देखा. वो उनमें से कुछ का ही नाम जानती थी. पीटर एक बड़बोला था. सैली हमेशा सही जवाबों के साथ अपना हाथ उठाती थी.

रूथ बिलकुल हन्ना की बगल में बैठी थी. उसे चित्र बनाना पसंद थे. क्या उनमें से कोई भी हन्ना की परेशानी को समझेगा?

उस रात रात के खाने के समय हन्ना ने फिर से कोशिश की. "मैं कार में सवारी क्यों नहीं कर सकती? मैं गाड़ी नहीं चला रहा होंगी - मैं उसमें बस बैठी होंगी.'

पापा की आंखें नम हो गईं. "सिर्फ इसलिए कि क्लास में कोई अन्य यहूदी बच्चा नहीं हैं इसका मतलब यह नहीं है कि हम अपने लोगों के तरीकों को भूल जाएं."

"कृपया समझने की कोशिश करो," माँ ने बहुत धीरे से कहा.

"हम चाहते हैं कि तुम जा सको."

मैं अपने लोगों के बताए मार्ग पर नहीं चलना चाहती हूँ, हन्ना ने सोचा. मैं बस अपनी क्लास पिकनिक पर जाना चाहती हूँ. लेकिन अंत में उसने अपना मुंह चुप रखा.

अगले दिन खेल के मैदान पर सभी बच्चे पिकनिक की योजना बना रहे थे. वे किसके साथ सवारी करेंगे? वे किसके साथ खाएंगे? हन्ना अपने दोनों कानों को बंद करना चाहती थी.

"अगर किसी को सवारी की ज़रूरत हो, तो वो हमारे साथ आ सकता है," परफेक्ट सैली ने घोषणा की.

"हन्ना!" पीटर खेल के मैदान में चिल्लाया. "तुम किसके साथ जाओगी?" अब सब हन्ना की ओर देख रहे थे.

"मुझे अभी तक नहीं पता," कहकर हन्ना ने अपना मुँह फेर लिया.

रुथ तिपतिया घास की जंजीर बनाने में व्यस्त थी. उसने हन्ना को देखा और मुस्कुराई जैसे कि वो उसकी दोस्त बनना चाहती थी. उसे देख हन्ना उम्मीद से मुस्कुराई.
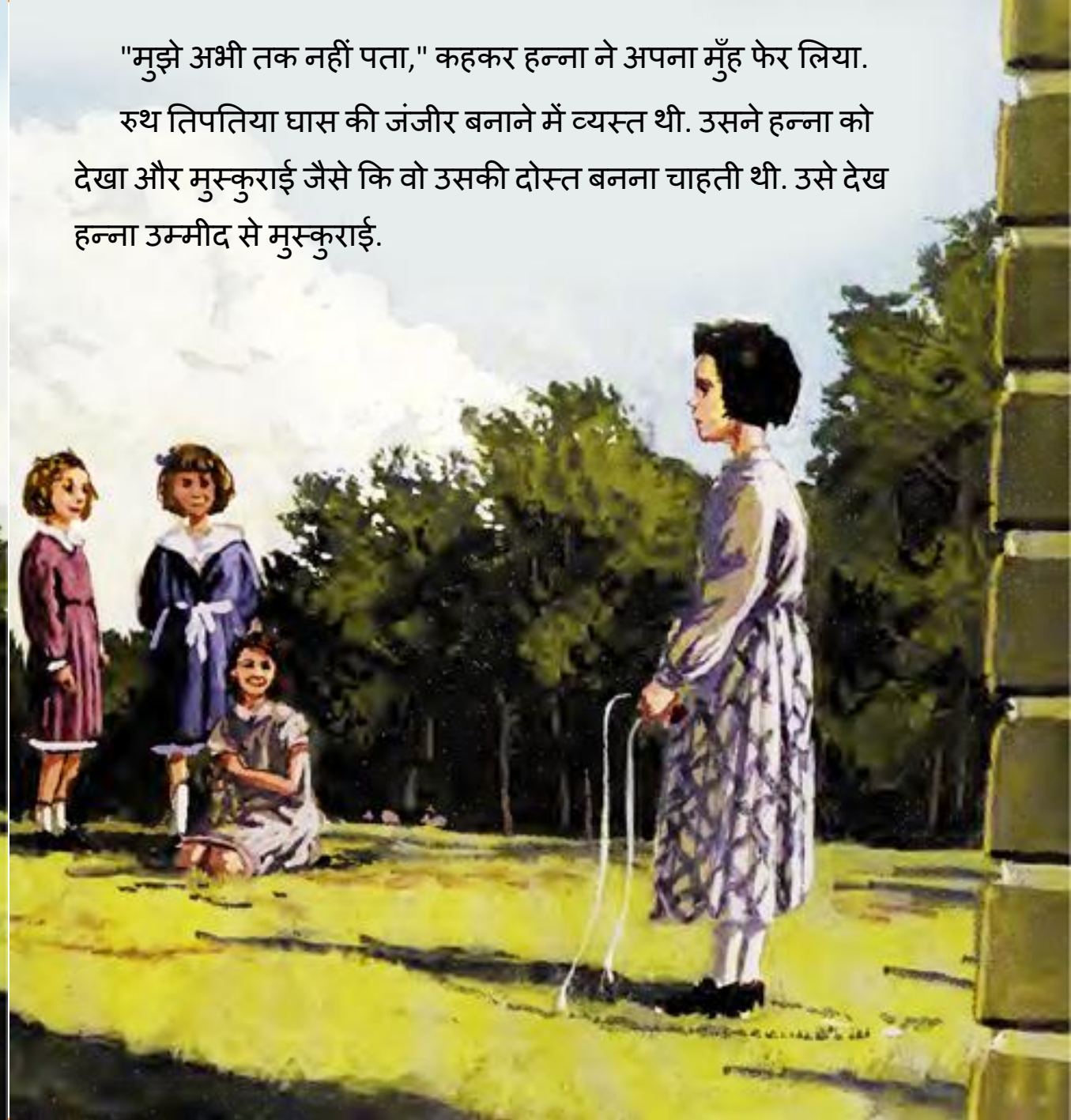
जब क्लास ख़त्म हुई, तो हन्ना रुकी. "मिस हार्टले," उसने हल्की सी आवाज कहा. "पिकनिक के बारे में... मैं जाना चाहती हूँ. लेकिन... कार की सवारी.." वो भला कैसे समझा सकती थी? लोगों को उसकी बात बड़ी अजीब लगेगी.

"मैं समझती हूं." मिस हार्टले मुस्कुराई. "तुम्हें एक सवारी की ज़रूरत है. तुम चिंता न करो. मैं उसकी व्यवस्था कर दूँगी." फिर उन्होंने हन्ना के सिर को अपने हाथ से थपथपाया. "मुझे खुशी है कि तुमने मुझे अपनी समस्या बताई."

हन्ना एक पल के लिए वहीं खड़ी रही, लेकिन उसके मुंह से कोई शब्द नहीं निकला.

स्कूल से वापिस घर जाते समय हन्ना सड़क पर पड़े पत्थरों को लात मारती रही. उसकी दुविधा का कोई तो हल होगा - और अचानक यह उसे वो हल मिल गया.

"माँ, पापा," वो घर के दरवाजे में झट से घुसी. "मैं शनिवार को पिकनिक के लिए पार्क में पैदल चलकर जाऊंगी!"

माँ ने सिर हिलाया. "पार्क यहाँ से दो मील दूर है. वहां तुम अकेले नहीं जा सकती हो."

"पर अगर कोई मेरे साथ चले तो?" हन्ना ने विनती की.

माँ ने पापा की ओर देखा.

पापा ने सिर हिलाया. "फिर मुझे सोचना पड़ेगा."

अब हन्ना का नाचने का मन कर रहा था! कम-से-कम अब उसके पास पिकनिक पर जाने का एक मौका था.

अगले दिन, हन्ना ने रूथ के चित्र को देखा और मुस्कुराई, "मुझे तुम्हारा घोड़ा पसंद है,"

"धन्यवाद," रूथ वापस मुस्कुराई.

पूछो, हन्ना ने खुद से कहा. पूछो, लेकिन क्या होगा अगर रूथ ने कहा, "शनिवार को तुम कार में सवारी नहीं कर सकती हो? कितना अजीब है!"

पूरा दिन बीत गया और फिर भी हन्ना पूछ नहीं पाई.

अगले दिन शुक्रवार था. यह उसका आखिरी मौका था, और हन्ना ने तय कर लिया था कि वो रुथ से क्या कहेगी. उसने उन शब्दों को अपने दिमाग में दोहराया : "मुझे पता है कि तुम्हें यह मूर्खतापूर्ण लग सकता है ..." लेकिन जब स्कूल की घंटी बजी, तो रूथ की सीट खाली थी.

जब बाकी सभी लोग भोजन के लिए निकले, तो हन्ना अपनी टीचर की मेज पर गई. उसने एक गहरी सांस ली. "मिस हार्टले, पिकनिक के बारे में..." उसने सही शब्दों को खोजा.

"अरे, मैं तुम्हें बताना भूल गई?" मिस हार्टले ने कहा. "तुम सैली के साथ सवारी कर सकती हो."

हन्ना ने सिर हिलाया. इस बार उसे यह कहना पड़ा. "मुझे उसकी अनुमति नहीं है," उसने कहा. "रूढ़िवादी यहूदी लोग शनिवार को कार में सवारी नहीं करते हैं." उसने आगे जोड़ा. "लेकिन मैं किसी के साथ पार्क तक चलकर जा सकती हूं. मुझे यह नहीं पता कि कौन मेरे साथ चलना चाहेगा."

मिस हार्टले ने हन्ना को दया के भाव से देखा. "मुझे खुशी है कि तुमने मुझे यह बात बताई. हम इसका कोई हल ज़रूर निकालेंगे."

दोपहर के भोजन के दौरान हन्ना ने सोचा. मिस हार्टले किस से पूछेंगी? शायद सैली से!

दोपहर के भोजन के बाद, मिस हार्टले ने अपनी घंटी बजाई "प्रिय बच्चों, मुझे अभी मालूम पड़ा है कि हन्ना को शनिवार को सवारी करने की अनुमति नहीं है, उनकी यहूदी मान्यताओं के अनुसार शनिवार, आराम का दिन होता है."

"लेकिन वो एक तरीके से हमारे साथ जुड़ सकती है," मिस हार्टले ने कहा. "हन्ना, तुम खुद कक्षा को बताओ."

हन्ना ने अपनी मेज पर ध्यान से देखा. "मैं तभी पिकनिक पर जा सकती हूँ अगर कोई मेरे साथ पार्क तक पैदल चलने को तैयार हो," उसने फुसफुसाया.

"क्या कोई ऐसा करेगा?" मिस हार्टले ने पूछा. क्लास में चुप्पी छा गई. हन्ना का दिल धड़कने लगा. शायद कोई भी तैयार नहीं होगा, उसने खुद से कहा. वो मेरा एक पागल विचार था.

लेकिन तभी एक डेस्क चरमराई. हन्ना ने सिर उठाकर देखा.

हर बच्चे का हाथ हवा में उठा था!
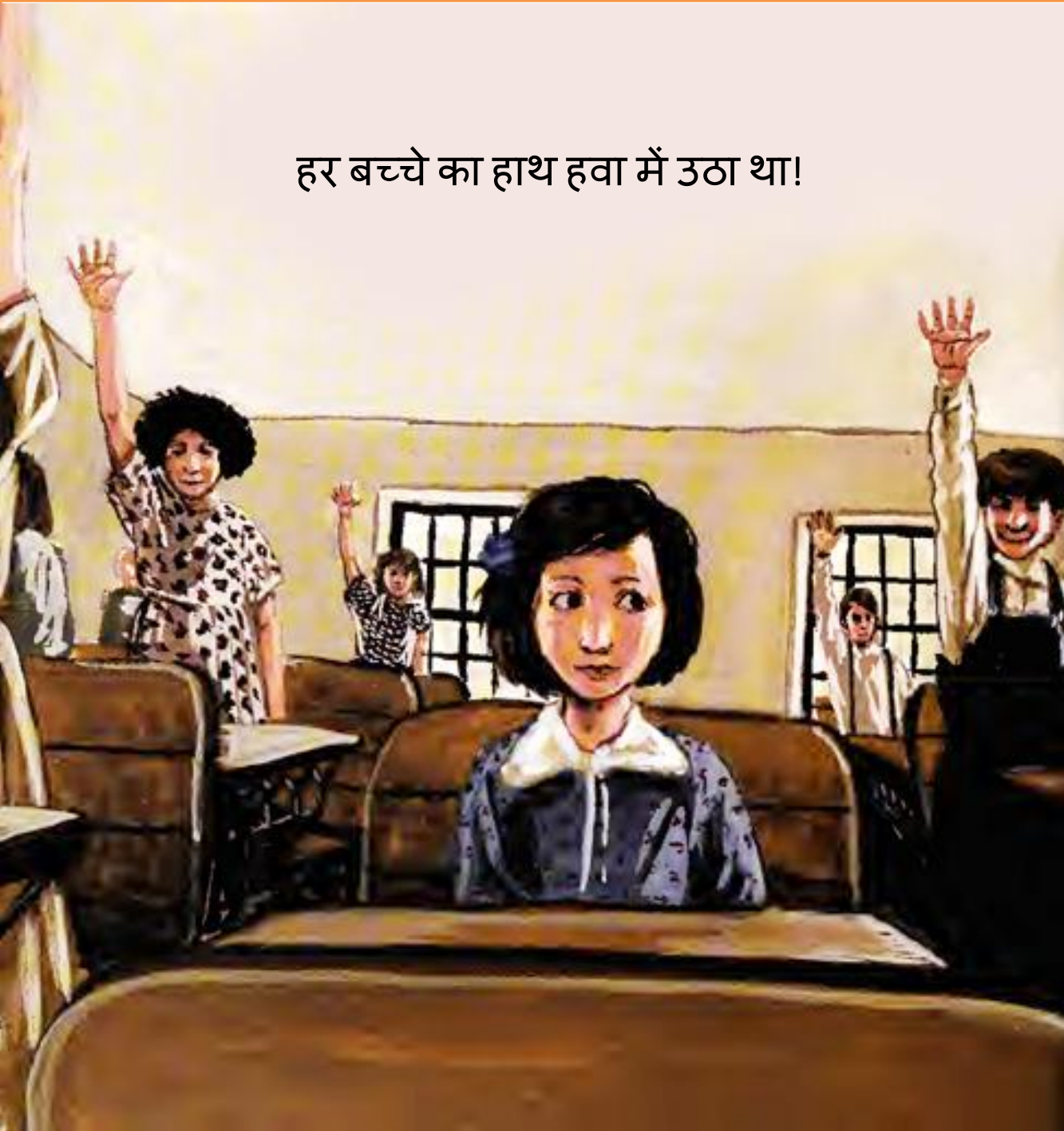
लेखक का नोट

मुझे इस कहानी की प्रेरणा मिनेसोटा हिस्ट्री सेंटर में 1996 की प्रदर्शनी से मिली, जिसका शीर्षक था "अनपैकिंग ऑन द प्रेयरी: ज्यूइश वूमेन इन अपर मिडवेस्ट". उनमें से एक कहानी एक छोटे शहर के स्कूल में एकमात्र यहूदी लड़की के बारे में थी वो विशेष रूप से मुझे पसंद आई. जब उसने अपने शिक्षक को बताया कि एक रूढ़िवादी यहूदी होने के कारण उसे शनिवार को क्लास पिकनिक पर जाने की अनुमति नहीं मिल सकती थी, तो उसके क्लास के बाकी बच्चों ने एक मार्मिक दयालुता के साथ जवाब दिया.

समाप्त